अमर उजाला 16.11.2021

ब्रज के कलाकारों ने बांधा समा तालियों से गूंज उठा पंडाल

अमर उजाला 16.11.21

संवाद सहयोगी, वृंदावनः ब्रज रज उत्सव के सांस्कृतिक मंच पर ब्रज के लोक कलाकारों ने अपने हुनर का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तो पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। ब्रज लोक संगीत के कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का मंचन करते हुए ब्रज के महिमा का भी दर्शन कराया, गोवर्धन लीला की झांकी देख दर्शकों के जयकारे से पंडाल गूंज उठा।

भारत सरकार के अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सहयोग से आयोजित हुनर हाट और ब्रज रज उत्सव में सोमवार को ब्रज की ब्रज लोकसंगीत की लोक गायिका व नृत्यांगना डा. वंदनाश्री ने अपने ग्रुप के साथ ब्रज लोक संगीत नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों को मुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक मंच पर सबसे पहले कलाकारों ने मेरो कान्हा गुलाब को फूल.... गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। ब्रज वंदना के जरिए कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण की कीड़ा भूमि ब्रज की महिमा का वर्णन किया। जमुना किनारे मेरो गांव, सांवरे आ जाइयों... गीत का भावपूर्ण नाट्य अभिनय दर्शकों को मुग्ध करने वाला था।

वृंदावन के यमुना किनारे चल रहे ब्रज रज उत्सव के सांस्कृतिक पंडाल में सोमवार को ब्रज लोक कलाकार डा. वंदनाश्री के ग्रुप द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के अभिनय नृत्य का दृश्य • जागरण

कलाकारों ने गोवर्धन महाराज गीत शुरू किया तो पूरा पंडाल गिरिराजजी की महिमा का गुणगान करने वाले इस गीत से झूम उठा। कलाकारों ने महारास की झांकी का दर्शन कराया। उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक नागेंद्र प्रताप ने कहा, ब्रज संस्कृति की जड़ें बहुत गहरी हैं, ब्रज रज उत्सव के जरिए से ब्रज के कलाकारों को अवसर दिया जा रहा है। समन्वयक अनूप शर्मा, संयोजक देवेंद्र शर्मा, संजय शर्मा, वंदनाश्री मौजूद रहे। संचालन विजेता चतुर्वेदी ने किया।